भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4707

जिसका उत्तर शुक्रवार, 20 मार्च, 2026/29 फाल्गुन, 1948 (शक) को दिया जाना है।

जाजपुर जिले में उर्वरकों का वितरण

4707. डॉ. रबीन्द्र नारायण बेहेरा:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या किसान विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, किंतु सरकार द्वारा खादों की समय पर और पारदर्शी आपूर्ति के लिए किए गए उपायों के बावजूद ओडिशा के जाजपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में किसानों को आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता में अभी भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार किसानों को उर्वरकों के निर्बाध वितरण के लिए उक्त चिंता का समाधान करने हेतु कोई योजना तैयार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): ओडिशा राज्य सहित राज्यों में सभी उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक मौसम में निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं:

(i) प्रत्येक फसल मौसम के प्रारंभ होने से पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) सभी राज्य सरकारों के परामर्श से उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है।

(ii) डीएएंडएफडब्ल्यू द्वारा अनुमानित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करते हुए राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का आवंटन करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है।

(iii) देश भर में सब्सिडी प्राप्त सभी प्रमुख उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑनलाइन वेब आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है।

(iv) राज्य सरकारों को नियमित रूप से सलाह दी जाती है कि वे समय पर मांगपत्र जारी करके आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने के लिए उत्पादकों और आयातकों के साथ समन्वय स्थापित करें।

(V) राज्यों के लिए पर्याप्त रेक देने, उर्वरकों को प्राथमिकता देने और समय पर रेक निकालने के लिए रेल मंत्रालय के साथ नियमित समन्वय बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इसके अलावा, उर्वरक विभाग का अधिदेश राज्य स्तर पर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। तथापि, राज्य के भीतर जिला स्तर पर उर्वरकों का वितरण संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

इस संबंध में, चल रहे रबी 2025-26 मौसम के दौरान ओडिशा राज्य में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बनी रही है। दिनांक 01.10.2025 से 16.03.2026 तक की अवधि के दौरान इन उर्वरकों की आवश्यकता, उपलब्धता, बिक्री और अंतिम स्टॉक के बारे में जानकारी निम्नानुसार है:

रबी 2025-26 (16 / 03 / 26 तक) के दौरान ओडिशा में उर्वरक की स्थिति

आंकड़े एमटी में

क्र. सं.	**उत्पाद**	**रबी 2025-26 के लिए आवश्यकता**	**01/10/25 से 16/03/26 तक आनुपातिक आवश्यकता**	**01/10/25 से 16/03/26 तक उपलब्धता**	**01/10/25 से 16/03/ 26 तक बिक्री**	**16/03/26 की स्थिति के अनुसार स्टॉक**
1	**यूरिया**	1,90,000	1,70,645	3,11,470	1,62,760	1,48,710
2	**डीएपी**	75,000	70,161	1,37,340	71,050	66,280
3	**एमओपी**	25,000	23,065	47,850	17,450	30,380
4	**एनपीकेएस**	90,000	82,742	1,55,900	68,830	87,010

स्रोत: आईएफएमएस

इसके अलावा, ओडिशा राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है और चल रहे रबी 2025-26 मौसम के दौरान जाजपुर जिले सहित ओडिशा के किसी भी जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है।

इसके अलावा, राज्य ने यह भी सूचित किया है कि उसने उर्वरकों का परेशानी मुक्त वितरण कराने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

(i) पीएसी/एलएएमपीसी में उर्वरकों, विशेष रूप से यूरिया का पूर्व-भंडारण प्रत्येक फसल मौसम की शुरुआत से पहले किया जाता है।

(ii) कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग (डीएएएंडएफई) "राज्य उर्वरक खरीद एजेंसियों को अनुदान" स्कीम के माध्यम से यूरिया के परिवहन और हैंडलिंग लागत के लिए मार्कफेड को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(iii) इसके अलावा, राज्य में पीएसीएस/एलएएमपीसीएस/डीलर नेटवर्क को विभिन्न उर्वरकों के पूर्व-भंडारण और वितरण के लिए मार्कफेड को 150 करोड़ रुपये की राशि कॉपर्स निधि के रूप में दी गई है।

(iv) मौसम में आवश्यक 60% उर्वरकों की आपूर्ति मार्कफेड के माध्यम से पीएसी/एलएएमपीसी को की जाती है।

(v) किसानों को उर्वरकों के सुचारू वितरण/बिक्री को सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय समितियों का गठन करना।

****